MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is correct. (*Interruptions*) The Government has to find out whether it is violated, who has...(*Interruptions*)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: This is what I wanted. It is the violation of the Central Law. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on record.

Request for stringent action against illegal factories running in the residential colonies in Delhi

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): श्रीमन्, दिल्ली में जिस तरीके से आवासीय क्षेत्रों में अवैध तरीके से फैक्टरियां चल रही हैं। ...(व्यवधान)...

(उपसभाध्यक्ष (श्री दत्ता मेघे) पीठासीन हुए)

मान्यवर, मैं एक दुखद दुर्घटना के बारे में सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए प्रभावी कार्रवाई के लिए निवेदन करने के लिए खड़ा हुआ हूँ। दिल्ली में अवैध तरीके से चल रही अनेक ऐसी फैक्टरी हैं, जिनमें मजदूर प्रताड़ित भी किए जाते हैं, परेशान भी किए जाते हैं और समय-समय पर जो दुर्घटनाएं होती हैं, उसके लिए भी जिस ढंग से समुचित तौर पर ध्यान रखना चाहिए, वह ध्यान नहीं रखा जाता। अभी 7 दिसंबर को यमुना पार के विश्वास नगर के पास घोंडा नगर की 12 नंबर गली में ग्रोवर एंड संस की एक फैक्टरी, जो महिलाओं के गारमेंटस बनाने का काम कर रही थी, उसमें भीषण आग लग गई। आग लगने के आधे घंटे के बाद भी अग्नि-शमन नहीं पहुंच पाए, जिससे 12 लोग मर गए, कई लोग झुलस गए। हालात इतने हृदय-विदारक थे, जिसको देखकर लोगों को लगा कि अगर ऐसी स्थिति बनी रही, तो आवासीय क्षेत्रों में लगी फैक्टरियों के लोग ही नहीं बल्कि उससे लगे हुए घरों में रहने वाले लोग भी काफी मात्रा में प्रभावित हो सकते हैं।

मान्यवर, यह फैक्टरी, दिल्ली पुलिस उपायुक्त का जो कार्यालय है, उससे बिल्कुल लगी हुई थी। उसके बावजूद भी समय पर लोगों की जान बचाने की दृष्टि से जो आवश्यक उपकरण हैं, वे नहीं पहुंच पाए थे। वहां जो आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए थी, वह अभी तक नहीं हुई। मालिक के विरुद्ध और ठेकेदार के विरुद्ध जरूर आपराधिक धाराएं लागू कर दी गई हैं, लेकिन गिरफ्तारी नहीं हुई है। मान्यवर, यहां गिरफ्तारी का सवाल नहीं है, इसमें जो लोग मरे हैं, उनको एक एक लाख रुपए का मुआवजा दिल्ली सरकार ने जरूर घोषित कर दिया है, अब वे मजदूर लोग हैं और मजदूर को एक एक लाख रुपया देकर संतुष्ट कर लेना कोई बहुत बड़ी चीज नहीं है, लेकिन मैं चाहूंगा कि इसमें केन्द्र सरकार विशेष रूचि लेकर एक मृतक के परिवार को कम से कम पांच लाख रुपए की घोषणा करे और उसके जो आश्रित बच्चे हैं, उनको नौकरी देने की भी व्यवस्था करे। इसके साथ ही साथ जो इस तरीके से अवैध उद्योग चल रहे है, बिना लाइसेंस के या बिना किसी अनुमति के,

उनकी छानबीन करके उनके विरुद्ध कारवाई करे ताकि श्रमिक, जो गरीब तबके के लोग हैं वे बेचारे इस तरह की दुर्घटनाओं के शिकार न हो सकें। इस विशिष्ट घटना को सामने रखते हुए मैं सरकार से प्रभावी कार्रवाई करने का आग्रह करता हूँ।

मान्यवर, इसके पहले भी पांच फैक्टरियों में आग लग चुकी है और भविष्य में और भी लग सकती है। इस तरह की स्थिति का निर्माण फिर न होने पाए, इस दृष्टि से सरकार की ओर से समुचित व्यवस्था आवश्यक है। सरकार से मेरी ऐसी अपेक्षा है कि सरकार इस ओर गंभीरतापूर्वक ध्यान देगी। केन्द्र सरकार की नाक के नीचे दिल्ली में ये घटनाएं हो रही हैं और चूंकि दिल्ली केन्द्र सरकार के द्वारा नियंत्रित है, इसलिए विशेष जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की बनती है। इस दृष्टि से मैंने इस विषय को यहां सदन में उठाना उचित समझा। ...(**व्यवधान**)...

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष महोदय, देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री के नजदीकी व्यक्ति के सद्दाम हुसैन के बेटे ...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड): सर, यह क्या हो रहा है? क्या इनको परमीशन दी गई है? ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री दत्ता मेघे): स्पेशल मेंशन। ...(**व्यवधान**)... श्री कलराज मिश्र। ...(**व्यवधान**)...

श्री मूल चन्द मीणा: पूर्व प्रधानमंत्री जी के ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री दत्ता मेघे): स्पेशल मेंशन। ...(व्यवधान)... मैं अलाऊ नहीं कर रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: उपसभाध्यक्ष महोदय, क्या ये आपकी अनुमति से बोल रहे हैं? ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री दत्ता मेघे): नहीं, मैं अलाऊ नहीं कर रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... मीणा जी, प्लीज़ बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... मैं अलाऊ नहीं कर रहा हूं। बैठ जाइए। स्पेशल मेंशन। श्री कलराज मिश्र।

SPECIAL MENTIONS

Concern over issuance of Fake Degrees by Foreign Educational Institutions in the country

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): श्रीमन्, मैं आपकी अनुमति से विदेशी शिक्षण संस्थानों द्वारा फर्जी डिग्रियां दिए जाने के संबंध में विशेष उल्लेख कर रहा हूं।